आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 04.10.2025 समय : 1905

<><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा, कौशल और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बासठ हज़ार करोड़ रुपये से अधिक की युवा केंद्रित विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया।
- केंद्र सरकार ने दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवा न देने का परामर्श जारी किया।
- पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग की ओर से द्वीपसमूह की विभिन्न तहसीलों में पशु सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।
- शिक्षा निदेशक ने हर शनिवार को विभिन्न स्कूलों में शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की घोषणा की।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज युवाओं के लिए बासठ हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न पहलों का शुभारंभ किया। ये युवा केन्द्रित पहल, देश में शिक्षा, कौशल और उद्यमिता को बढ़ावा देंगी। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों–आई.टी.आई. के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन–पीएम–सेतु का शुभारंभ किया। यह साठ हजार करोड़ रुपये के निवेश वाली केंद्र प्रायोजित योजना है। इस योजना में देश भर के एक हजार सरकारी आई.टी. आई. को हब–एंड–स्पोक मॉडल में उन्नत करने का लक्ष्य है। इसमें दो सौ हब आई.टी.आई. और आठ सौ स्पोक आई.टी.आई. शामिल हैं।

श्री मोदी ने चौंतीस राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चार सौ नवोदय विद्यालयों और दो सौ एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में स्थापित एक हजार दो सौ व्यावसायिक कौशल

प्रयोगशालाओं का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने बिहार की संशोधित मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना का भी शुभारंभ किया। इसमें प्रति वर्ष लगभग पाँच लाख स्नातक युवाओं को दो साल तक एक हजार रुपये मासिक भत्ता और निशुल्क कौशल प्रशिक्षण मिलेगा।

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के छियालीस शीर्ष मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री जयंत सिंह ने भी देश को एक वैश्विक कौशल केंद्र बनाने के श्री मोदी के दृष्टिकोण को दोहराया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित और पिछले महीने की बाईस तारीख को शुरू हुआ जीएसटी बचत उत्सव समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित कर रहा है। आज हम वाणिज्यिक माल वाहनों पर कर कटौती पर चर्चा कर रहे हैं।

<><><><><><><><>

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सलाह दी है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवा न दी जाए। मंत्रालय ने इस संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य सेवा निदेशकों को एक पत्र लिखा है। परामर्श में कहा गया है कि आमतौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इन दवाओं की सलाह नहीं दी जाती है। इससे अधिक उम्र के बच्चों के लिए खांसी और सर्दी की दवा का इस्तेमाल सावधानीपूर्वक डाक्टर की सलाह तथा कड़ी निगरानी के बाद ही किया जाना चाहिए।

<><><><><><><><>

शिक्षा निदेशालय की विज्ञान शाखा ने अंडमान निकोबार पुलिस, नारकोटिक और गैर सरकारी संगठन के सहयोग से आज राजकीय बालक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य स्कूली छात्रों को तंबाकू और नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों और यौन शोषण से संबंधित मुद्दों के बारे में जानकारी प्रदान करना

था। कार्यक्रम में जागरूकता वीडियो, पावर प्वाइंट प्रस्तुतियाँ, ड्रॉप बॉक्स गतिविधियाँ और आदान–प्रदान सत्र शामिल थीं। इस अवसर पर शिक्षा निदेशक ने इस तरह के शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम हर शनिवार को विभिन्न स्कूलों में आयोजित किए जाने की घोषणा की। कार्यक्रम में कुल पैंतीस छात्रों ने भाग लिया।

<><><><><><><><>

कृषि विभाग के संज्ञान में कोलकाता और चेन्नई से उर्वरकों के अवैध परिवहन का मामला आया है, जिसके परिणामस्वरूप द्वीपों में घटिया और अनधिकृत खेपें आ रही हैं। किसानों को अनधिकृत व्यक्तियों से ऐसी सामग्री खरीदने के लिए झूठा प्रलोभन दिया जा रहा है, जिससे न केवल किसानों को वित्तीय नुकसान हो रहा है, बल्कि उनकी फसलों को भी नुकसान हो रहा है। यह स्थिति सीधे तौर पर जन स्वास्थ्य, मिट्टी की उर्वरता और किसान कल्याण के लिए खतरा बन रहा हैं। इस संबंध में विभाग ने सभी किसानों को अनधिकृत विक्रेताओं से उर्वरक न खरीदने की सलाह दी है। किसानों को केवल लाइसेंस प्राप्त और अधिकृत उर्वरक विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदने को कहा गया है। विभाग ने उर्वरकों की किसी भी संदिग्ध खेप की सूचना तुरंत अपने निकटतम क्षेत्रीय कृषि कार्यालय को देने का अनुरोध किया है। किसान कॉल सेंटर के माध्यम से भी इसकी सूचना दी जा सकती है।

<><><><><><><><>

पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग द्वीपसमूह की विभिन्न तहसीलों में बयालीस दिवसीय पशु सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। पन्द्रह अक्टूबर से शुरू हो रहे इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सामुदायिक पशु देखभाल सेवा प्रदाताओं के रूप में प्रशिक्षित कर उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि वे स्थानीय पशुपालन प्रणाली को बढ़ावा दे सकें। यह व्यापक प्रशिक्षण पशु और मुर्गी पालन के स्वास्थ्य, पोषण और प्रबंधन पर केंद्रित होगा। यह कार्यक्रम महिलाओं के लिए आय के अवसर पैदा करने, सामुदायिक स्तर की पशु देखभाल सेवाओं को मजबूत करने और स्थायी पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है।

<><><><><><><><>

महात्मा गांधी कॉलेज, मायाबंदर के इतिहास विभाग के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए "ग्राम पंचायत हरिनगर की उन्नीस सौ सत्तर से दो हजार बीस तक पचास वर्षों की विकास यात्रा" शीर्षक से आयोजित पन्द्रह–दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम का आज समापन हो गया। इस अवसर पर बेटापुर रेंज के रेंजर मंजीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बिल्लीग्राउंड थाना प्रभारी मणिकम और हरिनगर ग्राम पंचायत की उप सरपंच के.सी. नाग और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस दौरान इंटर्नशिप समन्वयक डॉ. पी.के. मंडल ने स्थानीय शासन के संदर्भ में ऐतिहासिक शोध करने के महत्व पर ज़ोर दिया। यह इंटर्नशिप पहल छात्रों की स्थानीय शासन और विकासात्मक इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त करने के साथ–साथ युवाओं में सामुदायिक सेवा और ज़िम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करता है।

<><><><><><><><>